

“ अमृतलाल नागर के ‘सुहाग के नूपुर’ उपन्यास में  
चित्रित समाज जीवन तथा नारी जीवन ”

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्. फिल्.  
(हिंदी) उपाधि हेतु प्रस्तुत लघु शोध - प्रबंध

शोध - छात्रा

कु. पूनम बाळासाहेब लंबे  
एम्. ए. बी. एड्. ( हिंदी )

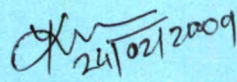
शोध - निर्देशिका

डॉ. रुखसाना महामूदमियाँ शेख  
एम्. ए. पीएच्. डी.

अध्यक्षा, हिंदी विभाग,  
दहिवडी कॉलेज, दहिवडी,  
जि. सातारा. (महाराष्ट्र )  
सदस्या, हिंदी अध्ययन मंडल,  
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

फरवरी , 2009.

  
24/02/2009  
अध्यक्ष,  
हिंदी विभाग,  
शिवाजी विश्वविद्यालय,  
कोल्हापुर-४१६००४.

800-6245-7015502



## अमृतलाल नागर



जन्म - 17 अगस्त 1916 ई. मृत्यू - 23 फरवरी 1990 ई. ।

“ तुम नागर, साहित्य, कला, संस्कृति के तुम में साधना ।  
समदर्शी सबके प्रति मन में हैं अधिकारी भावना ।  
दाता तुम और नहीं किसी से किसी बात की याचना ।  
सहज कर्मयोगी तुम, आगे शेष न कोई कामना ।  
मानव मन की सीमाएँ यद्यपि तुमने स्वीकार की ।  
पर उन सीमाओं में भी तुम कितने श्रेष्ठ विशाल हो ।  
जैसा नाम तुम्हारा वैसे ही तुम अमृतलाल हो ।”